

पद ३३६

(राग: झिंजोटी - ताल: दादरा)

अल्लाहकु मिला चाहे तो तू मैं को विसरजा । गर इश्क लिया चाहे
तो तू सरको विसर जा । मानिक कहे अये दिल रहो रबकी यादमें ।
लयलुन्नहार लय लगे मत दमकु विसर जा ॥१॥